मूल्य 1 रु.

वर्ष: 10 - अंक : 240, मुंबई, गुरुवार, 3 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

सीबीआई, ईडी और एनआईए समेत जांच एजेंसियों के दफ्तर में सीसीटीवी लगाए जाएं : सुप्रीम कोर्ट

पुलिस स्टेशन में टॉर्चर के मामले रोकने के लिहाज से सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला काफी अहम है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) समेत जांच ऐसी एजेंसियों के दफ्तर में सीसीटीवी व रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया, जिनके पास गिरफ्तारी करने व पूछताछ करने की शक्ति है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

किसानों का नया ऐलान

अकाली दल का आरोप- सरकार किसानों को थकाना चाहती है

संवाददाता

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर किसानों का आंदोलन बुधवार को 7वें दिन भी जारी रहा। किसानों ने शाम करीब सवा पांच बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। क्रांतिकारी किसान यूनियन के अध्यक्ष दर्शन पाल ने कहा कि सरकार कानूनों को खत्म करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए। उन्होंने कहा कि 5 दिसंबर को मोदी सरकार और कॉरपोरेट घराने के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन किए जाएंगे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बॉर्डर जेल जैसा, अब दिल्ली में संग्राम

किसानों ने कहा- देशभर में होगा आंदोलन

दाऊद इब्राहिम की रत्नागिरी की

तीन संपत्तियां 1.10 करोड़ रुपये में नीलाम

अधिकारी ने कहा कि तस्कर एवं विदेशी मुद्रा हेरफेर आरोपी (संपत्ति जब्त) अधिनियम (सफेमा) के तहत इस सप्ताह की शुरूआत में नीलामी का आयोजन किया गया था

संवाददाता

मुंबई। भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम की महाराष्ट्र के रत्नागिरी में स्थित तीन संपत्तियों को एक नीलामी में एक करोड़ रुपये से अधिक में बेचा गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि तस्कर एवं विदेशी मुद्रा हेरफेर आरोपी (संपत्ति जब्त) अधिनियम (सफेमा) के तहत इस सप्ताह की शुरूआत में नीलामी का आयोजन किया गया था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

हमारी बात

रिकॉर्ड तोड़ती सर्दी

पहाड़ों पर बर्फबारी के साथ उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में सर्दियों की आमद नई बात नहीं, पर जो नया है, वह यह कि मौसम विभाग ने दो दिन पहले बीते महीने को दिल्ली में पिछले 71 वर्षों का सबसे सर्द नवंबर बताया है। इसके लिए उसने ला नीना के असर व पश्चिमी विक्षोभ के प्रभावी न होने, सितंबर महीने में कम बारिश और बादलों की कमी जैसे कारण गिनाए हैं। पर सच तो यह है कि अब पूरे मौसम चक्र में चौंकाने वाली प्रवृत्तियां दिखने लगी हैं! पिछले वर्ष दिसंबर ने दिल्ली में 1901 के बाद का सबसे सर्द माह होने का रिकॉर्ड बनाया था। फिर जिस तेजी से बार-बार तटवर्ती इलाकों में समुद्री तूफान आ रहे हैं, वे भी इसी बात की पुष्टि कर रहे हैं कि कुदरत का मिजाज तेजी से बिगड़ रहा है। इस पर हमें ही नहीं, पूरी दुनिया को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। प्रोफेसर माल्थस ने 222 वर्ष पहले प्रकृति पर मानवीय दबाव को लेकर जो विचार रखे थे, परवर्ती वैज्ञानिक चेतना में उसे झुठलाने की होड़ ही अधिक रही और तेजी से बढ़ती मानव आबादी के सुख-साधनों के लिए प्रकृति का अविवेकी दोहन लगातार बढ़ता गया। पर कोविड-19 के इस दौर में, जब पूरी दुनिया की रफ्तार को लकवा मार गया है, और संसार भर में लाखों लोग मारे जा चुके हैं, लाखों की जिंदगी दांव पर है, तब उस अर्थशास्त्री की बातों पर नए सिरे से गौर करने की जरूरत है कि प्रकृति अकाल, महामारी, आंधी-तूफानों के जरिए अपना नियंत्रण साधेगी। विडंबना यह है कि प्रकृति तो बार-बार आगाह करती है, लेकिन दुनिया का इंसानी निजाम उसके संकेतों को समझने को तैयार ही नहीं। खासकर वे देश, जो अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों के आधार पर विकसित हो चुके हैं, और जिनके लिए भूख व आर्थिक सुरक्षा कोई बड़ी चुनौती नहीं हैं, वे सबसे ज्यादा इस मामले में लापरवाही बरतते हैं। लेकिन अब साल-दर-साल यूरोप में गरमी के टूटते रिकॉर्ड शायद उन्हें अपने रुख पर सोचने को मजबूर करे। बहरहाल, भारतीय मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और ठंड बढ़ने की आशंका जताई है। देश में दिसंबर के आखिरी दिन अक्सर शीत लहर की चपेट में आते हैं। जब शीत लहर चलेगी, तब खास तौर से उत्तरी राज्यों की सरकारों व लोगों के लिए वह कठिन परीक्षा की घड़ी साबित होगी। राज्य सरकारों के लिए इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती यह है कि किसी तरह से कोरोना संक्रमण के प्रसार पर जल्द से जल्द काबू पाया जाए। ऐसे में, दैहिक दूरी का जो प्रोटोकॉल स्वास्थ्य मंत्रालय ने तय किया है, उसे इस मौसम में पालन करा पाना बहुत कठिन होगा। बडे. शहरों में जहां रैन-बसेरों को संक्रमण-मुक्त रखना एक बड़ी चुनौती है, तो वहीं दूर-दराज के स्थानीय प्रशासन के लिए शीत लहर के दौरान चौराहों पर अलाव की व्यवस्था को लेकर फैसला लेना भी कठिन होगा। ऐसे वक्त में हर साल बडे. पैमाने पर नागरिक समाज से परोपकारी लोग आगे आकर जरूरतमंदों की गरम कपड़ों और खाने-पीने की चीजों से मदद करते रहे हैं। इस साल वंचित तबकों को उनकी करुणा और मदद की अधिक दरकार होगी। हम एक बेहद मुश्किल साल के आखिरी महीने में हैं। इस समय हमें प्राकृतिक प्रकोपों से बचने के उपाय भी करने हैं और आने वाले वक्त में प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन की राहें भी ढूंढ़नी हैं, ताकि कोई मौसम हमारे लिए डरावना न बने।

वैक्सीन से सुर्खियों का प्रबंधन!

देश में अचानक कोरोना वायरस की वैक्सीन का हल्ला मच गया है। चारों तरफ सिर्फ वैक्सीन की बात है। प्रधानमंत्री ने एक दिन का 'वैक्सीन टूर' किया। अहमदाबाद के जायडस कैडिला की फैक्टरी से लेकर हैदराबाद में भारत बायोटेक और उसके बाद पुणे के सीरम इंस्टीच्यूट का उन्होंने दौरा किया और ऐसा आभास दिया कि अब कोरोना से मुक्ति मिलने वाली है। इसकी वैक्सीन आने वाली है। इसके दो दिन बाद सोमवार को प्रधानमंत्री ने वैक्सीन बना रही तीन और कंपनियों- जेनोवा बायोफार्मा, बायोलॉजिकल ई और डॉक्टर रेड्डीज लैब के वैज्ञानिकों व प्रबंधकों से बात की। अब उन्होंने चार अक्टूर को कोरोना वायरस पर सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है, जिसमें निश्चित रूप से चर्चा का फोकस वैक्सीन की उपलब्धता, उसकी डिलीवरी, सप्लाई, कोल्ड चेन और लोगों को टीका लगवाने पर होगा। असल में वैक्सीन का यह पूरा हल्ला सिर्फ एक पीआर एक्सरसाइज है, जिसका अभी कोई खास मतलब नहीं है। वैक्सीन का काम रूटीन की अपनी प्रक्रिया से चल रहा है और खुद प्रधानमंत्री ने दस दिन पहले ही कहा था कि कब तक वैक्सीन आएगी, उसकी कीमत क्या होगी, यह कुछ पता नहीं है। उन्होंने कहा था कि इस बारे में वैज्ञानिक ही बता सकते हैं। सवाल है कि जिसके बारे में कुछ पता ही नहीं है, उसका इतना बड़ा हल्ला मचाने का क्या मतलब है? अगर आप इस हल्ले की टाइमिंग को बारीकी से देखेंगे तो पता चलेगा कि यह असल में सुर्खियों के प्रबंधन का प्रयास है, जिसकी जरूरत अचानक कई कारणों से पड़ गई। पिछले ही हफ्ते नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस यानी एनएसएसओ की ओर से अर्थव्यवस्था का आंकड़ा जारी होना था और सबको पता था कि लगातार दूसरी तिमाही में भी देश सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की दर निगेटिव रहनी है। उससे पहले कई राज्यों के किसान संगठनों ने ऐलान कर रखा था कि वे दिल्ली मार्च करेंगे और जब तक सरकार तीन कृषि कानूनों को रद्द नहीं करती है, तब तक प्रदर्शन करेंगे। ठीक उसी समय जब किसान दिल्ली के लिए चले और अर्थव्यवस्था का आंकड़ा आया, तभी प्रधानमंत्री ह्यवैक्सीन टूरह्न पर निकले और वैक्सीन का हल्ला मचाया गया। इसका नतीजा यह हुआ कि अर्थव्यवस्था वाला मामला तो पूरा ही सुर्खियों से गायब हो गया, बल्कि उलटे यह माहौल बन गया कि महज साढ़े सात फीसदी की गिरावट आई है इसका मतलब है कि सब कुछ ठीक हो रहा है। हां, वैक्सीन के हल्ले के बावजूद किसान आंदोलन का मामला सुर्खियों से नहीं हट रहा है। इसका फ्रस्ट्रेशन प्रधानमंत्री के सोमवार को काशी में दिए भाषण में भी दिखा।

भले वैक्सीन का हल्ला किसान आंदोलन से कमजोर पड़ रहा है पर यह तय मानें कि अब इसका शोर थमने वाला नहीं है। अब सिर्फ इसी का शोर होगा क्योंकि यह सरकार के अनुकूल है। इससे कई चीजों से ध्यान भटकाने में आसानी हो रही है। इससे कोरोना वायरस के अब तक के प्रबंधन का सवाल खत्म हो गया है। यह कोई नहीं पूछ रहा है कि कोरोना काल में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए। अर्थव्यवस्था और रोजगार के लिए सरकार क्या कर रही है, यह भी नहीं पूछा जाएगा। पीएम केयर्स फंड की तो अब कोई बात ही नहीं करता। अभी भाजपा ने हैदराबाद में जम कर प्रचार किया, रैलियां हुईं और रोड शो हुए हैं। अगले कुछ दिन में यह सब कुछ पश्चिम बंगाल, असम और दूसरे कई राज्यों में होने वाला है। सो, वैक्सीन के हल्ले में यह बात भी दबी रहेगी कि आखिर राजनीतिक रैलियों से कोरोना क्यों नहीं फैल रहा है? सो, पूरा देश अब अगले दो तीन साल सिर्फ वैक्सीन की चर्चा में मगन रहेगा। यह प्रचार चलता रहेगा कि नरेंद्र मोदी देश के 130 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगवा रहे हैं। इसी योजना के तहत वैक्सीन की पूरी व्यवस्था को केंद्रीकृत किया गया है और सब कुछ केंद्र सरकार की कमान में रखा गया है ताकि राज्यों को इसका श्रेय नहीं मिल सके। परंतु इस पूरे हल्ले में एक बड़ा सवाल यह है कि आखिर वैक्सीन आ जाएगी तो उससे क्या होगा? क्या सारे लोगों को सरकार हाथों हाथ टीका लगवा देगी? क्या सारे नागरिक कोरोना वायरस के खतरे से मुक्त हो जाएंगे? क्या देश और समाज पहले जैसा हो जाएगा? क्या देश की अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आएगी? असल में ऐसा कुछ नहीं होने जा रहा है। कम से कम अभी अगले दो-तीन साल तक ऐसा कुछ नहीं होगा। वैक्सीन आने के बावजूद इस बात की गारंटी नहीं है कि कोरोना का वायरस नहीं फैलेगा क्योंकि 95 फीसदी सफलता का दावा करने वाली कंपनी भी यह नहीं कह रही है कि उसकी वैक्सीन जो एंटी बॉडी तैयार करेगी वह व्यक्ति के शरीर में कब तक रहेगी? इस वैक्सीन के सैकड़ों स्ट्रेन बताए जा रहे हैं तो कितने स्ट्रेन्स को पकड़ कर वैज्ञानिकों ने वैक्सीन बनाई है यह भी पता नहीं। इससे संक्रमित व्यक्ति के शरीर में अपने आप जो एंटी बॉडी तैयार हो रही है उसकी मियाद 90 दिन बताई जा रही है कि पर पूरी दुनिया में कम से कम दो दर्जन मामले ऐसे आए हैं, जिनमें 90 दिन के भीतर लोगों को कोरोना का दोबारा संक्रमण हुआ। सो, कोई भी वैक्सीन स्थायी रूप से कोरोना से बचाए रखने की गारंटी नहीं है। इसका मतलब है कि कोरोना रहेगा, अस्पतालों में कोरोना के वार्ड बने रहेंगे, वैक्सीन के साथ साथ महंगाई इलाज चलता रहेगा, लोगों को मास्क लगाए रखना होगा और धीरे धीरे सारी चीजों से हाथ धोते जाना होगा। और वैसे भी जिस बीमारी में 90 फीसदी से ज्यादा लोग अपने आप ठीक हो रहे हैं, उस बीमारी के टीके का इतना हल्ला मचाने की क्या जरूरत है? आईसीएमआर ने खुद माना है कि 80 फीसदी लोगों में कोई लक्षण ही नहीं आ रहे हैं। जिनमें लक्षण आ रहे हैं उनमें से 80 फीसदी से ज्यादा लोग घर में रह कर ही ठीक हो जा रहे हैं। जिनमें लक्षण दिखते हैं उनमें से पांच फीसदी लोगों को ही अस्पताल जाने या किसी विशेष इलाज की जरूरत पड़ रही है। ऐसे में वैक्सीन की 90 फीसदी सफलता की तो वैसे ही गारंटी है। फिर किस बात का ढोल पीटा जा रहा है! इस हल्ले में कोई इसके साइड इफेक्ट की चर्चा नहीं कर रहा है। इससे पहले जितने टीके हड़बड़ी में आए हैं, उनसे बड़ा नुकसान हुआ है। पोलियो के शुरूआती टीके से हजारों लोग स्थायी रूप से विकलांग हुए थे, इस तथ्य को ध्यान में रखने की जरूरत है। बहरहाल, कुल मिला कर वैक्सीन के शोर से बाकी सारी सुर्खियों को दबाए रखना है और देश के 130 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगवानी है। यह हजारों या लाखों करोड़ रुपए का खेल है, जिसका फायदा कहने की जरूरत नहीं है कि कुछ गिनी-चुनी फार्मा कंपनियों को मिलने वाला है।

जनता का पैसा और कार्वी कंपनी का खेल

एक बहुत पुरानी कहावत है कि दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। इसका सीधा सादा अर्थ है कि एक बार धोखा खाने के बाद इंसान बहुत होशियार व जागरूक हो जाता है। मेरा मानना है कि इस तरह ही शिक्षा देने वाली सारी कहावते आम साधारण इंसान के लिए बनाई गई हैं व सत्ता में बैठे लोगों खासतौर से उन लोगों का इससे कुछ लेना देना नही है जोकि इस हालात में हैं कि वे कहावत से सीख लेकर गलती सुधारने या उसे रोकने के लिए कोई कदम उठा सकें। हाल के मामलें साबित करते हैं कि जो सरकार सत्ता में आने के पहले देश का धन लूट कर उसे गलत तरीके से अर्जित करने के बाद उसे विदेशी बैंको में जमा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने व उस पैसे को वापस लाने का वादा कर रही थी वह सत्ता में छह साल तक रहने के बाद एक भी पैसा वापस लाना तो दूर रहा देश के आम जनता का पैसा डकार कर बाहर भाग जाने वाले लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई तक नहीं कर सकी।

एक समय था जब बैंको पर लोगों का भरोसा नहीं था। यही हालात वित्तीय संस्थानों की थी तब लोग अपनी बचत को जमीन में या दीवार में गाड़ कर रखते थे। मगर देश के आजाद होने पर खासतौर पर बैंको का राष्ट्रीयकरण होने के बाद आम आदमी का बैंको में विश्वास बढ़ा और लोग उस पर भरोसा करते हुए पैसा जमा करवाने के साथ-साथ वित्तीय संस्थानो में पैसे का निवेश भी करने लगे ताकि वे अपने खून पसीने की कमाई गई राशि पर कुछ लाभ अर्जित कर सके। मगर अब वहां से उनको छल हो रहा है। नवीनतम मामला कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड का है। कुछ दिनों पहले सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने कार्वी नाम कंपनी पर नए ग्राहक बनाने व शेयरो की खरीद फरोख्त तक धंधा करने पर पूरी तरह से रोक लगाने के साथ ही इस कंपनी के निदेशको के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने का ऐलान किया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने तो इस कंपनी केएसबीएल को डिफाल्टर घोषित करते हुए इसकी सदस्यता इसलिए समाप्त करने का फैसला किया क्योंकि यह कंपनी उसके नियम कानूनो का पालन नहीं कर रही थी। याद दिला दे कि 22 नवंबर 2019 को सेबी ने अपने निवेशको के शेयरो व डिबेंचरो के साथ हेरा-फेरी करने के आरोप में उसे यह काम करने से रोकने का फैसला किया था।

महाराष्ट्र कांग्रेस का किसानों के समर्थन में आंदोलन

बालासाहेब थोरात ने की घोषणा

मुंबई। दिल्ली की सीमा पर किसानों के आंदोलन का आज आठवां दिन है। जहां हजारों किसान आंदोलन पर बैठे हुए हैं। मंगलवार को केंद्र सरकार के कुछ मंत्रियों और किसान संगठनों के बीच में बैठक हुई लेकिन इस बैठक में कोई नतीजा नहीं निकल पाया। जिसकी वजह से आंदोलन शुरू करने का फैसला किसानों ने लिया है। दिल्ली में किसानों इस आंदोलन को महाराष्ट्र कांग्रेस ने भी अपना समर्थन दिया है। किसानों के लिए महाराष्ट्र कांग्रेस गुरुवार को राज्य के हर तहसील में आंदोलन करेगी। इस आंदोलन के लिए महाराष्ट्र कांग्रेस ने एक पत्र भी जारी किया है जिसमें दिल्ली की सीमा पर शुरू किसान आंदोलन का जिक्र है और उसे कांग्रेस अपना समर्थन दे रही है। पत्र में किसान आंदोलन को समर्थन और कृषि कानून का विरोध करने के लिए राज्य में सभी

तहसील के अंदर आंदोलन करने का आदेश राज्य के राजस्व मंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बालासाहेब थोरात ने दिया है। सभी जिले के ब्लॉक मुख्यालय में यह आंदोलन किया जाएगा। मंगलवार को किसान नेता राजू शेट्टी के नेतृत्व में स्वाभिमानी शेतकरी संगठन ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर, पुणे, औरंगाबाद, सोलापुर, अकोला जैसे कई शहरों में किसानों के समर्थन में आंदोलन किया गया था। इस आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार का प्रतीकात्मक पुतला भी जलाया गया था। राजू शेट्टी ने केंद्र सरकार से अगले दो दिनों के अंदर किसानो की सभी समस्याओं का निदान करने की बात कही है। वरना महाराष्ट्र में किसी भी केंद्रीय मंत्री को आने नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली की तरह महाराष्ट्र में भी आंदोलन किया जाएगा।

आज राज्यव्यापी आंदोलन: दिल्ली की सीमा पर शुरू किसानों के देशव्यापी आंदोलन को और भी ज्यादा तीव्र करने का निवेदन है महाराष्ट्र के किसानों ने किया है महाराष्ट्र में भी 3 दिसंबर को आंदोलन करने का फैसला अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति ने लिया है भाजपा कि केंद्र सरकार दिल्ली सीमा पर शुरू इस आंदोलन को बलपूर्वक दबाने का प्रयास कर रही है किसानों के ऊपर पानी की बौछार की जा रही है आंसू गैस छोड़ी जा रही है। किसान नेताओं को हाईवे पर ही रोकने का प्रयास केंद्र सरकार की तरफ से किया जा रहा है।

बीएमसी कर्मचारियों को देना होगा पार्किंग शुल्क, मकान के किराए की तरह वेतन में से कटेंगे पार्किंग के पैसे

मुंबई। बीएमसी प्रशासन अब कार्यालय परिसर व कर्मचारी कॉलोनी परिसर में गाड़ियां पार्क करनेवाले कर्मचारियों से पार्किंग चार्ज वसूलेगा। इसके लिए बीएमसी कर्मचारियों को साल में तीन से छह हजार रुपये चुकाने होंगे। मकान के किराए की तरह पार्किंग चार्ज की राशि भी बीएमसी कर्मचारियों के वेतन से काटी जाएगी। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि इस तरह का सर्कुलर वर्ष 2018 में आया था, लेकिन वह लागू नहीं हो सका था। उसके बाद मार्च 2020 में संशोधित सर्कुलर आया था। उसे भी लॉकडाउन के कारण लागू नहीं किया जा सका था। अब संशोधित सर्कुलर लागू किया जाएगा। बता दें कि बीएमसी मुख्यालय व मुंबई के सभी 24 वॉर्डों में विभागीय कार्यालय और विभिन्न विभागों के अलग-अलग हिस्सों में स्थिति कार्यालयों से बीएमसी अपना कामकाज करती है। कार्यालय आने-जाने में सुविधा के लिए बीएमसी कर्मचारी बड़े पैमाने पर दो पहिया व चार पहिया वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। कार्यालय परिसर में अपने निजी वाहन बिना शुल्क खड़े करने की अनुमति बीएमसी ने कर्मचारियों को वर्ष 2018 तक दी थी। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान ड्यूटी पर आने के लिए बड़े पैमाने पर कर्मचारियों ने गाड़ियां खरीदी हैं। यह लोग अपने वाहन कार्यालय परिसर में लाकर खड़े कर रहे हैं, जबकि बीएमसी ने वर्ष 2018 में एक सर्कुलर जारी कर कहा था कि बीएमसी कर्मचारियों को कार्यालय परिसर व कर्मचारी कॉलोनियों में वाहन खड़े करने पर चार्ज भरना होगा। लेकिन अब तक यह सिर्फ कागजों पर चल रहा था और इसे अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका था।

कुछ कर्मचारियों का यह आरोप

अधिकारी ने बताया कि 3 मार्च, 2020 को संशोधित सर्कुलर जारी किया गया था, जिसमें चार्ज में बढ़ोतरी भी की गई है। अब कर्मचारियों के जैसे वाहन होंगे, उस हिसाब से चार्ज भरना पड़ेगा। इससे हर कर्मचारी के वेतन में से साल में तीन से छह हजार रुपये कटेंगे। कुछ कर्मचारियों का आरोप है कि पार्किंग शुल्क लगाते समय अधिकारियों को छूट दी गई है, क्योंकि बड़े पैमाने पर अधिकारी बीएमसी की सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करते हैं। वहीं कुछ अधिकारियों के पास प्राइवेट वाहन हैं। इन प्राइवेट वाहनों को बीएमसी कार्यालय परिसर में खड़े करने पर शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सीबीआई, ईडी और एनआईए समेत जांच एजेंसियों के दफ्तर में सीसीटीवी लगाए जाएं: सुप्रीम कोर्ट

जस्टिस आरएफ नरीमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक पुलिस थाने में सीसीटीवी कैमरा लगा हो। थाने के सभी एंट्री व एग्जिट प्वाइंट, मेन गेट, सभी लॉकअप, लॉबी और रिसेप्शन एरिया में सीसीटीवी होना चाहिए। कोर्ट ने कहा, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राजस्व इंटेलीजेंस विभाग और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय समेत ज्यादातर जांच एजेंसियां अपने दफ्तरों में पूछताछ करती हैं। ऐसे में जहां आरोपी को रखा जाता है और उससे पूछताछ होती है, वहां सीसीटीवी व रिकॉर्डिंग उपकरण लगाना अनिवार्य है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं के बाद सभी थानों में सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया था।

किसानों का नया ऐलान

किसानों से आज केंद्र की बातचीत होनी है। इससे पहले आंदोलन को लेकर गृह मंत्री अमित शाह पंजाब से मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से मिलेंगे। सूत्रों के मुताबिक, यह मुलाकात सुबह करीब साढ़े नौ बजे होगी। भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष स्वराज सिंह ने कहा, हम सड़क पर नहीं बैठे हैं। प्रशासन ने बैरिकेड्स और जवान खड़े करके हमारा रास्ता रोका है और इसीलिए हम यहां रुके हैं। हमें यह जगह अस्थाई जेल जैसी लगती है और हमें रोका जाना गिरफ्तारी की तरह है। हम जैसे ही यहां से छूटे तो सीधा दिल्ली जाएंगे। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और रेल मंत्री पीयूष गोयल, जो मंगलवार को किसानों को मनाने में नाकाम रहे थे, वो बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह से उनके घर पर मिले। दोनों मंत्रियों ने मंगलवार को किसानों से हुई बातचीत का अपडेट शाह को दिया। इससे पहले, मंगलवार को सरकार के साथ 35 किसान संगठनों की 3 घंटे की बातचीत बेनतीजा रही। मीटिंग में सरकार की तरफ से कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के अलावा रेल मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य राज्य मंत्री सोमप्रकाश मौजूद रहे थे। मीटिंग में सरकार कानूनों पर प्रजेंटेशन दिखाकर फायदे गिनवाती रही, लेकिन किसान तीनों कानूनों को वापस लेने की मांग पर अड़े रहे। उन्होंने इतना तक कह दिया कि हम कुछ तो हासिल करेंगे, भले गोली हो या फिर शांतिपूर्ण हल। किसानों ने कृषि कानूनों को डेथ वॉरंट बताया।

दाऊद इब्राहिम की रत्नागिरी की तीन संपत्तियां 1.10 करोड़ रुपये में नीलाम

उन्होंने कहा कि खेड़ तेहसील के लोटे गांव में स्थित 30 गुंटा तथा 50 गुंटा के दो भूखंडों और एक इमारत को रविन्द्र काते नामक व्यक्ति ने खरीद लिया। एक गुंटा में लगभग 1089 वर्ग फुट होते हैं। अधिकारी ने कहा कि इन संपत्तियों की तय कीमत 1,09,15,500 रुपये थी जबकि इसे 1,10,01,051 रुपये में नीलाम कर दिया गया। सफेमा के अतिरिक्त आयुक्त आर एन डिसूजा ने कहा, 'ये संपत्तियां राजमार्ग के काफी नजदीक हैं।' उन्होंने कहा कि गैंगस्टर की इन संपत्तियों को छह अन्य संपत्तियों के साथ नवंबर में नीलाम किया जाना था, लेकिन कुछ तकनीकी दिक्कतों के चलते ये बिक नहीं सकीं थीं। अधिकारी ने कहा आने वाले दिनों में खेड़ तेहसील में इब्राहिम की और संपत्तियों को भी नीलाम किया जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर

मॉडल अंबिका पिट्टा की सफल यात्रा

पुणे। अंबिका, जो कर्नाटक के बसाव कल्याण नामक एक छोटे से गाँव के निवासी हैं, एक रजत दुनिया का सपना लेकर पुणे आई थी। पुणे विश्वविद्यालय में उच्चतर माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्हें नौकरी मिल गई। एक छोटी फिल्म बनाई। अंबिका ने अपने ग्लैमरस लुक के साथ पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने एक मराठी फिल्म में प्रवेश किया। उनकी फिल्म जल्द ही रिलीज होगी। अपने पिता की छत्रछाया में खो जाने के कारण अकेली रहने वाली अंबिका को उनकी माँ विजयलक्ष्मी का बहुत समर्थन था। छोटा भाई 10 वीं क्लास में है और अंबिका घर में अकेले कमा रही है और उस पर घर चला रही है और वह अपने सपने को पूरा कर रही है। अपने जीवन के उतार-चढ़ाव में, अंबिका रॉयल के

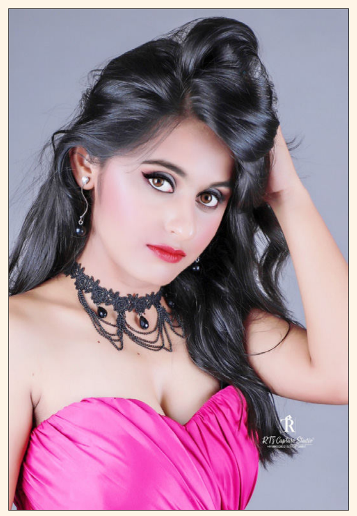

एक सफल आयोजक, नितिन जगरे से परिचित हो गई, जिन्होंने अंबिका का भरपूर समर्थन किया और उसे मॉडलिंग के इन और ऑउट सिखाया। फिर अंबिका ने ऑनलाइन शो चार्मिंग स्टार ऑफ इंडिया और महाराष्ट्र की फेवरेट ब्यूटी गर्ल दोनों में सफल शुरूआत की। आज, अंबिका एक सफल मॉडल बन गई हैं। उन्होंने कहा कि खराब जीवन-यापन के कारण नौकरी करने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं है, लेकिन वह फिल्म उद्योग में अपना करियर बनाने की योजना बना रही हैं, अमेजोन में काम कर रही हैं और जल्द ही उनके सभी सपने सच हो जाएंगे। मॉडलिंग, एक्टिंग और डांस पसंद करने वाली अंबिका हर चीज में परफेक्ट हैं। मैं नितिन झगरे सर की वजह से सफल हूं। यह अंबिका ने एडिटर, स्टार टीवी 9, वाइस प्रेसीडेंट पत्रकार हिंदू सम्राट सुनील ज्ञानदेव भोसले से कहा। सफलता के लिए सभी ने उनको बधाई दी।

विवादित कमेंट पर जज गिरफ्तार

चेन्नई। चेन्नई पुलिस ने बुधवार को पूर्व जज सीएस कर्णन को गिरफ्तार कर लिया। कर्णन मद्रास और कोलकाता हाईकोर्ट में जज रहे हैं। उन पर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों के खिलाफ अपमानजनक बयान देने और उनकी पत्नियों को रेप की धमकी देने का आरोप है। मद्रास हाईकोर्ट के एक एडवोकेट ने 27 अक्टूबर को जस्टिस कर्णन के खिलाफ शिकायत की थी। इस शिकायत के बाद मद्रास हाईकोर्ट के कुछ सीनियर वकीलों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एसए बोबडे को चिट्ठी भी लिखी थी। इसमें जस्टिस कर्णन के विवादित बयान का जिक्र था। जस्टिस कर्णन का एक वीडियो सामने आया था, इसमें उन्होंने महिलाओं, जजों और उनकी पत्नियों के खिलाफ कमेंट किए थे और यौन शोषण की बात भी कही थी। जस्टिस कर्णन का वीडियो

अक्टूबर में सामने आया था। वीडियो में उन्होंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज कोर्ट की महिला स्टाफ और जजों का यौन शोषण करते हैं। उन्होंने जजों की पत्नियों के खिलाफ भी बयान दिए थे। वकीलों ने सीजेआई बोबडे को खत लिखकर कहा था कि जस्टिस कर्णन के बयान महिलाओं के सम्मान के खिलाफ हैं और उन पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। मद्रास हाईकोर्ट ने मंगलवार को ही तमिलनाडु के डीजी और चेन्नई पुलिस कमिश्नर को इस मामले में कार्रवाई का आदेश दिया था। कोर्ट ने दोनों अफसरों को 7 दिसंबर को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होकर जस्टिस कर्णन के खिलाफ जांच की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट में तमिलनाडु बार काउंसिल की ओर से जस्टिस कर्णन के खिलाफ याचिका दायर की गई थी।

2017 में जस्टिस कर्णन को जज रहते हुए जेल की सजा मिली थी: 2017 में जस्टिस कर्णन को जज रहते हुए 6 महीने की जेल की सजा मिली थी। वह देश के पहले ऐसे जज थे, जिन्हें पद पर रहते हुए सजा मिली थी। उस दौरान वह कलकत्ता हाईकोर्ट के जज थे। उस दौरान सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों की बेंच ने पश्चिम बंगाल पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। एक हफ्ते के बाद उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

बैंकर से लेखक, बिजनस मैन से फिल्म निर्माता बनने तक का सफर तय किया है लाल भाटिया ने

लाल भाटिया, सीमित सोच नहीं रखते इसलिए वह एक बैंकर से लेखक बने और अब बुटीक वाइन, ऑलिव्स, ऑलिव ऑयल के निर्माता हैं। केवल इन्विटेशन द्वारा बेचे जाने वाली वाइन, जैतून और जैतून का तेल डेविड और गोलियत के नाम से मार्केट किया जाता है और सिसिली, इटली में उत्पादित किया जाता है। लाल फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण भी करते हैं। लाल जानते हैं कि किस तरह अवसर को बढ़ाया जाए और मुसीबत को अवसर में बदला जाए। लाल भाटिया अपनी पुस्तक इंडिकटिंग गोलियत की वजह से काफी लोकप्रिय हुए। यह किताब एक ऐसे व्यक्ति की वास्तविक जीवन की कहानी है, जिस को 13 साल तक झूठे आरोप लगाकर कैद में रखा गया, जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका में एक वकील के बिना न्याय और आजादी की लड़ाई लड़ी थी, जब अमेरिकी सरकार के भीतर भ्रष्ट व्यक्तियों ने उनके खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। वह एक वैश्विक विचार रखने वाले नेता और बिजनस का स्वभाव रखने वाले इनोवेटर है। लाल ने चुनौतीपूर्ण वातावरण में नए व्यवसाय मॉडल का कांसेप्ट सोचा और उसे डेवलप किया है। लाल की मुख्य दक्षताओं में नए वेंचर, टीम निर्माण, परिवर्तन मैनेजमेंट, व्यवसाय का विकास, फिल्म निर्माण, ब्रांड का विकास और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए रणनीति शामिल हैं। यह एक ऐसे लेखक हैं, जो मजबूत स्तर और परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ साथ एक रणनीतिक विचारक रहे हैं। 1987 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से अपनी स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद, 1996 में, उन्होंने हवाई पैसिफिक विश्वविद्यालय, होनोलूलू, हवाई से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की। व्यापार की रणनीति बनाने और बिजनस मैनेजमेंट के 33 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ लाल भाटिया के पास दुनिया के हर कोने में विविध प्रोफाइल का एक विशाल नेटवर्क है। उनके पास विभिन्न छोटी और बड़ी कम्पनियों की रणनीति तय

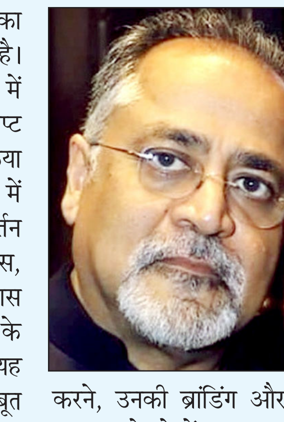

करने, उनकी ब्रांडिंग और नए बाजार खोलने में सहायता करने का कीमती अनुभव मौजूद है। लाल हाल ही में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा सपोर्ट किए गए एक उत्साहित म्यूज़िक वीडियो 'समझो भारतवासी' के लिए क्रिएटिव प्रोड्युसर भी बने। यह वीडियो नागरिकों को कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। वीडियो को 48 घंटे के अंदर 1 मिलियन व्यूज मिले। वह एक जन जागरूकता फैलाने वाली फिल्म के लिए भी रचनात्मक निर्माता थे। बिधाननगर पुलिस के लिए बार्किंग क्रो फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में मास्क पहनने के महत्व पर जोर दिया गया है। इस साल जुलाई में, उन्होंने रचनात्मक रूप से एक लघु फिल्म पनाह का निर्माण किया, जिसे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली भारत द्वारा सपोर्ट किया गया। उन्हें देश के सबसे बड़े समाचार पत्रों में से एक टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा एंटरप्रेन्योरशिप के लिए सम्मानित किया गया है। लाल के पास कई गुण हैं, वह इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, विद्यानाथ अय्यर मेमोरियल लेक्चर और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, ईस्टर्न इंडिया रीजनल काउंसिल के एक मुख्य स्पीकर थे। वह इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, ईस्टर्न रीजनल काउंसिल के एक नाटक 'नाइन लेटर्स ऑफ ऑनर' के लिए मुख्य अतिथि थे। उन्होंने इटली में सिसिली के डेला रीजन सिसिलियाना के राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यवसाय के अवसरों और सिसिली उत्पादों पर वैश्विक प्रभाव के लिए विशेषज्ञों के पैनल में भी भाग लिया है। उन्हें विदेश मंत्रालय-भारत सरकार द्वारा भी सम्मानित किया गया है। इतनी सारी जिम्मेदारियां निभाने और अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए पहचाने जाने के बाद, लाल भाटिया एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो हर एक कार्य के साथ तालमेल बैठा लेते हैं। उन्होंने कहा, पीड़ा और कष्ट का अनुभव करने के बावजूद, जब मैंने भावनात्मक, सामाजिक और वित्तीय उथल-पुथल का सामना किया, तो मैंने भगवान की कृपा, धैर्य और दृढ़ संकल्प की मदद से खुद को ज़िंदा बचाया और बाद में कामयाब रहा। अगर यह आशीर्वाद और इच्छा शक्ति मेरे पास नहीं होती तो मैं अब तक इससे नहीं निकल पाता। मुझे खुशी है कि मैं कड़ी मेहनत कर सकता हूं और अपने प्रयासों में चमक लाने के लिए समर्थन प्राप्त कर सकता हूं। जब आप निडर होकर अपने जुनून पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो कभी भी अपने आप को पीछे न होने दें, दूसरों की मदद करें और बड़े सपने देखें तो आप अपनी ज़िन्दगी में किसी बड़ी शक्ति को भी हरा सकते हैं।

गलवान का टकराव चीन की साजिश

झड़प से एक हफ्ते पहले उसने 1000 सैनिक तैनात किए थे

वॉशिंगटन। टॉप अमेरिकी पैनल ने दावा किया है कि गलवान घाटी में 15 जून की रात हुई झड़प चीन की साजिश थी। वहां के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंगे की सलाह पर ये साजिश रची गई। उन्होंने चीन सरकार से अपील की थी कि अपनी सीमाएं स्थापित करने के लिए भारत-चीन बॉर्डर पर सेना का इस्तेमाल किया जाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन का मकसद जापान से भारत तक अपने पड़ोसियों को भड़काना, सैन्य और संसदीय टकराव खड़ा करना है। यूनाइटेड स्टेट्स चीन इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा है कि गलवान झड़प साजिश थी और इसमें जानलेवा हमले की आशंका

भी थी, इस बात के सबूत सामने आए हैं। सैटेलाइट की तस्वीरों से पता चलता है कि झड़प से एक हफ्ते पहले चीन ने इलाके में 1000 सैनिकों को तैनात कर दिया था। रिपोर्ट में लिखा है कि जून 2020 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और भारतीय सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। यह घटना लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर लद्दाख की गलवान घाटी में हुई। इसमें भारत के 20 सैनिक शहीद हुए। वहीं, चीन की ओर से घायलों या मरने वाले सैनिकों की संख्या नहीं बताई गई। 1975 के बाद यह पहली बार था कि दोनों पक्षों के बीच झड़प में सैनिकों की जान गई हो। इस इलाके में मई से ही कई सेक्टरों में तनाव बढ़ाने वाली घटनाओं का सिलसिला शुरू हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक, बीजिंग ने अपने पड़ोसियों के खिलाफ एक मल्टीलेयर कैम्पेन तेज कर दिया। इससे जापान, भारत और साउथ ईस्ट एशिया के देशों के साथ उसका तनाव बढ़ा।

'चीन का मकसद अपने दावे वाले इलाकों पर कब्जा करना': इस रिपोर्ट में ब्रुकिंग्स इंस्टिट्यूशन की सीनियर फेलो तन्वी मदन का हवाला दिया गया है। मदन के मुताबिक, चीन का मकसद अपने दावे वाले इलाकों पर कब्जा करना था। सरकार को लगा कि वह गलवान जैसे कदमों से ऐसा कर सकती है। चीन ने भारत को एलएसी पर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने और अमेरिका के साथ गठजोड़ न करने की चेतावनी दी थी। फिर भी चीन की ये चालें काम नहीं आईं, क्योंकि अभी यह वक्त के लिहाज से ठीक नहीं है। रिपोर्ट में एक और घटना का हवाला दिया गया। इसमें कहा गया कि झड़प से दो हफ्ते पहले चीनी सरकार के अखबार ग्लोबल टाइम्स ने अपने नेताओं के इरादों के बारे में संकेत दे दिए थे। अखबार ने एक एडिटोरियल में चेतावनी दी थी कि भारत अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर में शामिल होता है तो उसके कारोबार को बड़ा झटका लगेगा।

वायुसेना ने परखा स्वदेशी एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम आकाश, रूस की इगला मिसाइल भी आजमाई

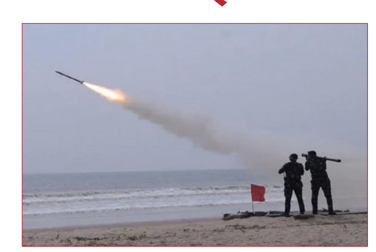

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने चीन के साथ चल रहे तनाव के बीच स्वदेश में विकसित एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम आकाश और कंधे पर रखकर छोड़ी जाने वाली रूस निर्मित इगला मिसाइल का परीक्षण किया। वायुसेना अधिकारियों ने बताया कि यह परीक्षण नियमित अभ्यास के तहत आंध्र प्रदेश में सूर्यलंका एयरफोर्स स्टेशन पर मंगलवार को किया गया। सतह से हवा में मार करने वाले इन एयर गाइडेड हथियारों की फायरिंग के अभ्यास के गवाह वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर मार्शल एचएस अरोड़ा भी रहे। अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल लांच करने की यह एक्सरसाइज 23 नवंबर से 2 दिसंबर तक चल रहे नियमित अभ्यास का हिस्सा थी। इसका मकसद वायुसेना कर्मियों को असली युद्ध जैसी परिस्थितियों जैसा अभ्यास कराना है। एक अधिकारी ने कहा, जब देश लगातार कोविड-19 महामारी की अभूतपूर्व चुनौती का सामना कर रहा है, तो भारतीय वायुसेना मौजूदा सुरक्षा हालात पर नजर बनाए रखने के साथ ही लगातार अपनी परिचालन क्षमता परख रही है। वायुसैनिकों को संबोधित करते हुए एयर मार्शल अरोड़ा ने अभ्यास में भाग ले रही युद्धक स्क्वाड्रनों के पेशेवर रुख की प्रशंसा की। उन्होंने जवानों से अभ्यास में सीखी बातों को किसी भी सामने आने वाले हालात में उपयोग करने के लिए तैयार रहने को कहा। भारत ने चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चल रहे गतिरोध के बीच दुश्मन के जंगी जहाजों व हेलिकॉप्टरों को दूर रखने के लिए आकाश सिस्टम तैनात किया है।

रूस में अगले हफ्ते से सभी को लगेगा कोरोना का टीका, राष्ट्रपति पुतिन ने दिए आदेश

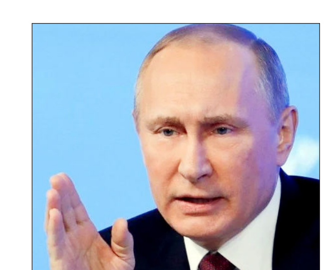

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अधिकारियों को अगले हफ्ते से बड़े पैमाने पर कोरोना वैक्सीन लगाने का अभियान शुरू करने के आदेश दिए हैं। पुतिन ने कहा कि स्पूतनिक वी वैक्सीन की 20 लाख से ज्यादा खुराक तैयार कर ली गई हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले हफ्ते से टीकाकरण संबंधी सारी तैयारियां पूरी कर लें। बता दें कि रूस ने बड़े पैमाने पर टीकाकरण का एलान ऐसे वक्त किया है, जब फाइजर, मॉडर्ना समेत कई कंपनियां अपने टीके के आपात इस्तेमाल की मंजूरी हासिल करने में तेजी से जुटी हैं। गौरतलब है कि रूस ने दुनिया में सबसे पहले 11 अगस्त को ही कोरोना का टीका स्पूतनिक वी तैयार कर लेने का एलान किया था। पुतिन ने तब कहा था कि शुरूआती दौर में जोखिम वाली सेवाओं में लगे लोगों को यह टीका दिया जाएगा। वलोर्मीटर के आंकड़ों के मुताबिक, रूस में बीते 24 घंटे में कोरोना के 25,345 नए मामले सामने आए हैं और 589 लोगों की मौत हो गई है। यहां कुल संक्रमितों की संख्या 2,347,401 हो गई है, जिसमें 1,830,349 लोग ठीक हो चुके हैं, 41053 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। वहीं, यहां सक्रिय मामलों की संख्या 475,999 है।

समस्तीपुर हलचल

दिल्ली में जारी किसान आंदोलन के समर्थन में महागठबंधन में शामिल सभी दलों के नेता ने समस्तीपुर जिला समाहरणालय पर प्रदर्शन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। दिल्ली में जारी किसान आंदोलन के समर्थन में महागठबंधन ने समस्तीपुर जिला समाहरणालय पर प्रदर्शन कर किसानों के खिलाफ पारित तीनों काला कानून को वापस लेने और दिल्ली में आन्दोलनकारी किसानों से बिना शर्त वार्ता कर मांग को पूरा करने की सरकार से मांग किया है। मौके पर आंदोलन का नेतृत्व विभूतिपुर के नवनिर्वाचित विधायक अजय कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि मोदी की सरकार किसान विरोधी तीनों काला कानून वापस नहीं लिया तो आने वाले दिनों में किसानों की माली हालत अपने ही देश में गुलाम जैसी हो जाएगी। भाजपा की सरकार द्वारा किसानों के खेत को कम्पनी

के हवाले करने की साज़िश को हरगिज बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। महागठबंधन के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने जिला समाहरणालय पर किसानों के समर्थन में प्रदर्शन के बाद सरकारी बस पड़ाव में दिल्ली में जारी किसान आंदोलन के समर्थन में एकजुटता जाहिर करते हुए सभा किया। सभा को राजद जिलाध्यक्ष राजेंद्र सहनी, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अबू तमीम, सी पी आई के जिलामंत्री सुरेन्द्र कुमार सिंह मुन्ना, सी पी एम के जिलामंत्री रामाश्रय महतो और भाकपा-माले के जिला सचिव उमेश कुमार के अलावे फूलबाबू सिंह ने सभा को सम्बोधित किया। मौके पर महागठबंधन में राजद नेता राजेश्वर महतो, फैजुर रहमान फैज, लाल बहादुर पंडित, अरविंद सहनी, राकेश कुमार, अरमान सदरी, सी पी एम नेता सत्यनारायण सिंह, रघुनाथ राय, विष्णुदेव शर्मा, सीपीआई नेता सुधीर कुमार देव, प्रसाद, रामऔतार ठाकुर, अनिल प्रसाद, डाक्टर बी सिंह, भाकपा-माले नेता फूलेन्द्र प्रसाद सिंह, सुनील कुमार मो. अलाउद्दीन, मुकेश कुमार, ललित सहनी आदि ने भाग लिया।

पुलिस को मिली सफलता, टाईगर मोबाईल ने दो युवक को पिस्टल के साथ किया गिरफ्तार

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के मथुरापुर ओपी क्षेत्र में टाईगर मोबाईल ने गश्त के दौरान दो युवक को मणीपुर गॉव से पिस्टल के साथ जिन्दा कारतूस भी पकड़ा। दोनों गिरफ्तार युवक की पहचान बंगरा थाना क्षेत्र के गद्दोपुर निवासी रमेश कुमार 20 वर्ष और नीरज कुमार 19 वर्ष के तौर पर की गई है। मथुरापूर ओपी पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी की मणिपुर गाँव मे दो युवक पिस्टल लेकर किसी घटना को अंजाम देने वाला है। इसी दौरान टाईगर मोबाईल ने गस्ती के दौरान दोनो युवक को पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया। वहीं थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा की दोनो युवक को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होने बताया की दोनो बदमाश के पास से पिस्टल के साथ जिंदा कार्तूस भी बरामद किया गया है।

आज हाशिए पर है देश के किसान: अकबर अली

समस्तीपुर। समस्तीपुर राजद लीडर अकबर अली ने कहा है की केंद्र सरकार के द्वारा ' किसानों के फायदे के लिए ' जो भी बिल-या विधेयक लाए गए ' परंतु किसानों को उसका कितना फायदा होगा ' यह वक्त ही बतायेगा। आज से-04 साल पहले वर्ष-2016 में उत्तर प्रदेश के शहर बरेली में एक-किसान रैली में ' माननीय प्रधानमंत्री जनाब नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था कि-वर्ष-2022 तक-किसानों की आमदनी दोगुना करना दूंगा। वर्तमान परिस्थिति में किसानों की किसी से छुपी हुई नही है ' भारतीय समाज के किसान आज भी कर्ज के बोझ तले दबे हुए है। हर वर्ष बाढ-सुखार ' फसलों को होने वाले ' नुकसान और मुआवजा नहीं मिलने से-किसान खेती से मुँह मोर रहे है। स्थिति आज ऐसी

है कि ' खाद-बीज-डीजल-सब्सिडी भी नही मिल पा रही है। उत्पादों का बाजार भाव काफी कम प्राप्त होता है ' जिससे-आज किसानों की माली हालत काफी चिंताजनक स्थिति में है। भारत एक कृषि प्रधान देश है एवं यहाँ की-70 फीसदी आबादी की आजीविका का मुख्य साधन खेती है। ऐसे में सरकार की ढुलमूल नीति का खामियाजा देश के किसान भुगतने को विवश है। सरकार को चाहिए कि-वह ऐसी नीति बनाएं 'जिससे किसानों को फसल-बीमा 'सब्सिडी' फसल का उचित मूल्य एवं अन्य सुविधाएं आसानी से मिलें। किसानों को बिचौलिए का सहारा नही लेना पडें-लॉक डाउन में सरकार के द्वारा किसानों की आर्थिक वित्तीय मदद नही देने से-किसानों की कमर टूट गयी है।

रामपुर हलचल

नगर के मुख्य बाजार सदर बाजार के अंदर चलाया गया अभियान, अतिक्रमण करने वालों के साथ कड़ा रुख अपना कर वसूला गया जुर्माना

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। नगर के मुख्य बाजार सदर बाजार के अन्दर चलाया गया अभियान, अतिक्रमण करने वालों के साथ कड़ा रुख अपना कर वसूला गया जुर्माना, अन्य फड़ सब्जी आदि की दुकान वालों में मचा रहा हड़कम्प नगर के मुख्य बाजार सदर बाजार के अन्दर अतिक्रमण करने वालों की संख्या लगातार बढ़ने के साथ साथ नगर पालिका परिषद अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा व कोतवाल माधो सिंह विष्ट के द्वारा सफाई अभियान चलाया गया नगर के मुख्य बाजार के अन्दर दोनों साइडों पर बने नालों पर अतिक्रमण करने वालों की भरमार रहती है दोनों विभागों के चलते बीच बीच में अतिक्रमण का सफाया किये जाने को लेकर अभियान चलाया जाता है सख्ती के चलते अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कोई खास शिकंजा कसता न देख सफाई अभियान की फिर से शुरू आत की गई है अतिक्रमण की भरमार को देखते हुए कुछ दुकानदारों से बतौरे

जुर्माना भी वसूल किया गया है साथ ही दुकानदारों को सख्त दिशा निर्देश देते हुए कहा गया है कि अगली बार अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही अम्ल में लाई जायेगी साथ ही बैंक आफ बड़ौदा के सामने कोतवाल माधो सिंह विष्ट ने रोड के किनारे खड़ी बाइकों को अपने कब्जे में लेकर उनको कैटल केचर कर कोतवाली लाया गया है इस प्रकार की सख्ती को देखते हुए बैंक आफ बड़ौदा के गार्ड को भी क्रमबार बाइकों पर रोक लगाये जाने के निर्देश दिये गये है मार्ग के दोनों साइडों में बाइको आदि के चलते अतिक्रमण करने वालों की भरमार के चलते यातायात अवरूद्ध होकर रह जाता है साथ ही जाम जैसी स्थिति बनकर रह जाती हैं छोटे बड़े वाहनों की लम्बी लाइनें लगना शुरू हो जाती है आवागमन में अनेकों प्रकार की बाधायें उत्पन्न होने के चलते यात्रियों आदि को अपने अपने गन्तव्य पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता हैं सफाई अभियान के दौरान कुछ अतिक्रमण कारी मौका पाकर भागने में सफल हो जाते हैं कुछ अभियान के चलते फंसकर रह जाते हैं जिनको जुर्माना अदा करना पड़ता हैं अभियान के उपरान्त स्थिति दोबारा से ज्यों की त्यों बनकर रह जाती हैं जिस पर नियंत्रण किये जाने के प्रयास लगातार जारी हैं अभियान के दौरान अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा कोतवाल माधो सिंह विष्ट सहित डालचन्द्र, नरेश, सुदेश, सुरेश, फारूक अक्खू, पप्पू, खलील अहमद, दिनेश भगत जी, आदि पुलिस बल मौजूद रहा।

बुलढाण हलचल

स्थानीय अपराध शाखा की कार्रवाई, अवैध रेत का परिवहन करने वाले टिप्पर को जब्त: अपराध दर्ज

बुलडाणा। जिले में रेत माफिया आजादी दिखाई दे रही है। जिल्हा महसूल प्रशासन गौण खनिज माफियाओं पर नकेल कसने में निष्क्रिय होने के बावजूद स्थानीय अपराध शाखा की एक टीम ने चिखली मे आरोपी के साथ 3 पीतल की रेत, एक टिप्पर और ट्रक को जब्त कर 30 लाख 15 हजार रुपये का माल जब्त किया। आरोपी चालक राजू संजय शिंगणे उम्र 25 वर्ष निवासी डोंगरखण्डाळा। से गौण खनिज रेती 3 ब्रास, किं 15 हजार रु., एक अशोक लेलँड कंपनी का बिना नंबर का टीप्पर चिखली में रेस्ट हाउस के सामने से कुल 30 लाख 15 हजार रुपये का मुद्देमाल जब्त किया गया है।आरोपी के खिलाफ बिना लाइसेंस के रेती (बालू) चुराने और परिवहन करने के मामले में भादवि अधिनियम की धारा 379 के तहत कार्रवाई की गई और वाहन, संपत्ति और आरोपि को चिखली पुलिस को सौंप दिया गया। कारवाई जिल्हा पोलीस अधीक्षक अरविंद चावरिया, अप्पर पोलीस अधीक्षक बजरंग बनसोडे ईन के मार्गदर्शन मे निरीक्षक बलिराम गीते के आदेश पर एलसीबी के सैयद हारून, लक्ष्मण कटक, रघुनाथ जाधव, श्रीकांत चिंचोले और ड्राइवर शेख शाहनवाज ने यह कार्रवाई की।

ट्रेलर ने पिछे से बाइक को मारी टक्कर

बुलडाणा। तेज रफ्तार ट्रेलरन ने टु व्हीलर को पीछे से टक्कर मारने पर दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान धोंडू रामचंद्र खोडके (42) और संगति बालाजी आडे (35) घाटबोरी (ताल. मेहकर) के रूप में हुई है। यह घटना 1 दिसंबर को रात 8 बजे राज्य राजमार्ग पर बीबी (ताल लोणार) गांव के पास अग्रवाल पेट्रोल पंप के पास हुई।

रक्तदान करने के लिए पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे नागरिकों से की अपील

बुलडाणा। रक्तदान शिविर मुख्य रूप से कॉलेजों, आईटी और अन्य उद्योगों में आयोजित किए जाते हैं। परंतु जबकि कॉलेज बंद हो गए हैं और अधिकांश सेवा क्षेत्र घर-घर जाकर काम कर रहे हैं, बड़े रक्तदान शिविर संभव नहीं हैं। इसके अलावा, कोविड के कारण, अधिक रक्त दाता रक्त दान करने के लिए अनिच्छुक हैं, हालांकि, छोटे छोटे कँप का सुझाव दिया गया है। उसके जरिए खून की जरूरत पूरी की जा रही है। हालाँकि, लोगों को आगे आना चाहिए और रक्तदान करना चाहिए,इस तरह की अपील खाद्य एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री और जिले के पालक मंत्री, डॉ. राजेंद्र शिंगणे ने किया है। सरकार के आह्वान पर लोगों ने हमेशा सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इसलिए जनता जरूर आगे आएगी और रक्तदान करेगी। जनता की प्रतिक्रिया के कारण खून की कमी नहीं होगी। इस लिए, नागरिकों को रक्त दान करना चाहिए और दूसरों के जीवन को सुंदर बनाना चाहिए, ऐसा अवाहन पालक मंत्री राजेंद्र शिंगेन ने किया है।

राजस्थान हलचल

पिता ने मोबाइल नहीं दिया तो बेटी ने कर ली आत्महत्या

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। कासना कस्बे में रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी को उसके पिता ने मोबाइल फोन नहीं दिया तो उसने आत्महत्या कर ली, परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा, पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। बुलंदशहर निवासी मनोज कुमार कासना कस्बे में किराए के मकान में परिवार के साथ रहते हैं, वह कासना औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी में नौकरी करते हैं। सोमवार को मनोज की 14 वर्षीय बेटी दृष्टि ने अपने पिता से मोबाइल मांगा था लेकिन पिता ने बेटी को मोबाइल नहीं दिया। इसी बात से नाराज होकर किशोरी ने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि लड़की के पिता ने मोबाइल न देने से नाराज होकर बेटी के खुद्कुशी करने के बारे में बताया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।पुलिस के मुताबिक मनोज के घर में एक ही फोन है, यह फोन परिवार के सभी सदस्य इस्तेमाल करते थे। एक दो दिन से मनोज फोन को अपने साथ ड्यूटी पर ले जाने लगे, इस पर मनोज की बेटी फोन घर में छोड़कर जाने की जिद करने लगी थी। इसी बात को लेकर बाप बेटी के बीच झगड़ा हुआ, लड़की ने गुस्से में आकर अपनी जान दे दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खून के अशुद्ध और गाढ़ा होने की समस्या को इन नुस्खो से करें दूर

इस भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास अपने लिए समय ही नहीं है। जिससे गलत डाइट और एक्सरसाइज न करने का सीधा असर सेहत पर दिखाई देता है। समय पर खाना न खाना या व्यायाम न करने पर बीमार पड़ता तो जाहिर सी बात है लेकिन गलत-खान पान के कारण आप रक्त विकारों का शिकार भी हो सकते है। खून शरीर के अंगो में ऑक्सीजन सप्लाई करके आपको स्वस्थ रखता है। ऐसे में खून में गड़बड़ी रक्त के थक्के जमना या खून के गाढ़ा होने से आप कोलेस्ट्रॉल और दिल के रोग जैसी बीमारियों की चपेट में भी आ सकते है। कुछ लोग तो इस समस्या को दूर करने के लिए दवाइयों तक का सेवन करते है लेकिन कुछ कारगार घरेलू तरीके से भी इन रक्त विकारों को दूर किया जा सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिससे आप रक्त विकारों को बिना किसी नुकसान के दूर कर सकते है।

रक्त विकार के कारण
आयरन की कमी
अनुवांशिक
कमजोर लीवर
हार्मोन बदलाव
गलत आहार
डायबिटीज
तनाव
पानी की कमी

रक्त विकार के लक्षण
लगातार बीमार रहना
भूख ना लगना
वजन कम होना
त्वचा रोग
दृष्टि कमजोर हो जाना
बाल झाड़ना
प्रतिरोधक क्षमता कम होना
रक्त विकार के घरेलू उपचार

1. आंवला
विटामिन सी के गुणों से भरपूर आंवला का सेवन शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है और नए रक्त बनाता है।

2. नींबू
दिन में 3 बार गर्म पानी में नींबू मिलाकर सेवन करें। इससे आपके सभी प्रकार के रक्त विकार दूर हो जाएंगे।

3. मुनक्का
25 ग्राम मुनक्के को रातभर भिगो दें। सुबह इसे पीसकर 1 कप पानी में मिलाकर रोजाना पीएं। इससे आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

4. एलोवेरा
25 ग्राम एलोवेरा का ताजा रस में 12 ग्राम शहद और आधे नींबू का रस मिलाकर सुबह शाम पीने से रक्त विकार दूर होते है।

5. करेला
दिन में 2 बार ताजे केरेले का जूस का सेवन भी सभी प्रकार के रक्त विकारों को दूर करता है।

6. प्याज
1/4 कप प्याज के रस में नींबू शहद मिलाकर लगातार 10 दिन तक सेवन करें। यह रक्त विकारों को दूर करके खुन साफ करने में मदद करता है।

7. नीम
नीम के पते, निम्बोली छाल और जड़ को उबाल कर दिन में 1 बार पीएं। इससे रक्त विकार के साथ आपकी कई समस्याएं दूर हो जाएगी।

डैंड्रफ हो जाएगा जड़ से खत्म, अपनाएं यह घरेलू नुस्खा

खूबसूरत, घने और लंबे बाल तो हर लड़की पाना चाहती है। मगर आजकल बालों में होने वाली परेशानियों के कारण बाल झड़ने और डैंड्रफ जैसी समस्याए हो जाती है। लड़के और लड़कियां दोनों डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए मंहगे प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते है लेकिन किसी से भी यह समस्या दूर नहीं होती। ऐसे में आज हम आपको डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए एक ऐसा उपाय बताने जा रहें है, जिससे बिना किसी नुकसान के यह समस्या दूर हो जाएगी। तो आइए जानते है डैंड्रफ को जड़ से खत्म करने का आसान घरेलू तरीका।

इसलिए होती है डैंड्रफ की परेशानी

स्कैल्प में डैड सेल्स जमा होने के बाद वो ड्राय हो जाती है, जिससे सिर में फंग्स और इंफैक्शन हो जाती है। इसके कारण आपके बालों में डैंड्रफ की समस्या हो जाती है। ऐसे में आपको अपनी डाइट में जिंक, ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन्स वाली चीजें शामिल करनी चाहिए।

डैंड्रफ को दूर करने का घरेलू तरीका
एक कटोरी में नींबू का रस निकाले लें। इसके बाद इसमें गर्म पानी और सी सॉल्ट मिक्स करें। इस मिक्र्र को स्कैलप पर लगाकर मसाज करें और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसे बाद बालों को शैम्पू सेधोकर कंडीशनर कर लें। हफ्ते भर इसका इस्तेमाल करने से आपके डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। इसके अलावा आपको यह समस्या दोबारा नहीं होगी।

एंटी एजिंग प्रॉडक्ट्स लेने से पहले जरूर जानें यह बातें

लड़कियों की उम्र जैसे-जैसे बढ़ती जाती है उन्हें वैसे ही अपनी ब्यूटी की चिंता भी परेशान करने लगती है। उम्र के हिसाब से चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियो को छुपाने के लिए वह कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती है और इन्हें खरीदने के लिए विज्ञापनों में किए झूठे वादों पर विश्वास कर लेती है। जिसके बाद में उन्हें फायदा होने की बजाए नुकसान झेलना पड़ता है, इसलिए एंटी एजिंग प्रॉडक्ट्स खरीदने से पहले उसके इंग्रेडियंट को ध्यान से जरूर पढ़ लेना चाहिए ताकि कौन-सा इंग्रेडियंट आपके लिए फायदेमंद है और कौन-सा नहीं। जिसे इस्तेमाल करके आपके चेहरे पर किसी तरह का साइड-फैक्ट न हो।

1. मॉश्चराइजिंग ऑयल
अगर आप एंटी एजिंग प्रॉडक्ट्स खरीदने जा रहे हैं तो सबसे पहले यह देख लें कि उसमें मॉश्चराइजिंग ऑयल है भी कि नहीं। अगर नहीं तो यह फेस पर ग्लो लाने के लिए बिल्कुल भी कारगर नहीं है। चेहरे को मॉश्चराइजिंग करने के लिए जोजोबा ऑयल, कोकोनट ऑयल, अलमंड ऑयल आदि प्रमुख स्त्रोत माने जाते हैं। जिसे इस्तेमाल करके उम्र से ज्यादा जवान दिखा जा सकता है।

2. पैराफिन्स से रहें दूर
एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स खरीदने से पहले यह बात जरूर जान लें कि इसमें पैराफिन्स का इस्तेमाल तो नहीं किया गया। पैराफिन्स युक्त क्रीम लगाने पर चेहरे पर उसी समय चमक तो जरूर आ जाती लेकिन बाद में इसका नुकसान भी होता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा के रोम छिद्र बंद हो जाते हैं। जिसके कारण स्किन पर उम्र का असर और ज्यादा दिखने लगता है।

3. रेटिनॉयड्स का रखें ख्याल
इस बात पर ध्यान जरूर दें कि आप जो एंटीएजिंग क्रीम इस्तेमाल कर रही है, वह रेटिनॉयड्स युक्त है भी कि नहीं। इसे विटामिन ए का एक रूप माना जाता है। यह कई तरह की स्किन प्रॉब्लम को ठीक रखता है। इसके इस्तेमाल से फेस पर कील, मुंहासे की समस्या नहीं होती साथ ही में इसे लगाने से चेहरे का ब्लड सकुर्लेशन ठीक रहता है। जिसके कारण स्किन चमकदार, कसी हुई और खूबसूरत दिखती है।

4. किरेटिन
किरेटिन युक्त क्रीम लगाने से चेहरे की डेड स्किन सेल्स हट कर नई और स्वस्थ त्वचा का निर्माण होता है। जिससे आप जवान दिखने लगते है।

5. अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड
अगर आपके चेहरे पर झुर्रियां और झाइयां हो रही है तो आप अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड युक्त क्रीम इस पर अप्लाई करें। यह चेहरे की डेड स्किन को हटाकर नई स्किन में बदल कर चेहरे पर चमक लाने में काफी मददगार है।

6. कॉपर पेप्टाइड्स
जब आपकी स्किन ढीली पड़ने लगे तो ऐसे एंटी-एजिंग प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करें, जिसमें कॉपर पेप्टाइड्स हो। यह ढीली त्वचा को टाइट करने में काफी मददगार है। इसलिए इसके इस्तेमाल से त्वचा की झुर्रियां से छुटकारा पाया जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'भाग बीनी भाग' बहुत ही चार्मिंग शो है : स्वरा भास्कर

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर लगातार वेब सीरीज का हिस्सा बन रही हैं। अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'रसभरी' और इरोज नाउ के वेब शो 'फ्लैश' के लिए सुर्खियां बटोरने के बाद अब एक्ट्रेस नेटफ्लिक्स की सीरीज 'भाग बीनी भाग' में नजर आएंगी। स्वरा सीरीज में बिंदिया भटनागर का किरदार निभा रही हैं, जिसे लोग प्यार से 'बीनी' कहकर पुकारते हैं। बीनी एक मिडिल क्लास परिवार से ताल्लुक रखती है, जिसके पास अच्छी टिकाऊ नौकरी है, एक लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड है, छोटा सा परिवार है जिसमें मम्मी पापा हैं और दोस्त हैं। बीनी की जिंदगी एकदम परफेक्ट है। तभी एक दिन उसका ब्वॉयफ्रेंट उसे शादी के लिए प्रपोज कर देता है, बीनी शादी के लिए मान भी जाती है, लेकिन अचानक उसे ये एहसास होता है कि उसे ये शादी और बच्चे वाली बोरिंग जिंदगी नहीं जीनी और बीनी अपनी शादी छोड़कर भाग जाती है। बीनी घर से भागकर स्टैंडअप कॉमेडी में करियर बनाने की कोशिश करती है। अपने नए शो के बारे में स्वरा का कहना है कि यह एक बहुत ही चार्मिंग शो है। 'रांझणा' एक्ट्रेस आगे कहती हैं कि भाग बीनी भाग के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि अभी जो माहौल चल रहा है, उसके बीच ये शो आशाओं से भरी है। यह आपका दिल जीत लेगी।

क्या किम शर्मा को डेट कर रहे हैं अमित साध?

बॉलीवुड एक्टर अमित साध को हाल ही में 'मोहब्बतें' फेम एक्ट्रेस किम शर्मा के साथ गोवा में स्पॉट किया गया। इस बीच दोनों के अफेयर की खबरें तेजी से फैलने लगीं। अब इस पर अमित साध ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है ये सिर्फ अफवाहें हैं खैर मुझे ऐसी खबरों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। अमित साध ने कहा, हम एक रेस्टोरेंट में अचानक एक-दूसरे के सामने आ गए। इस दौरान हमने एक-दूसरे को ग्रीट किया। बस इतना ही था। अमित साध कभी छुपकर रोमांस नहीं करेगा। मुझे ऐसी रिपोर्ट्स से कोई फर्क नहीं पड़ता है लेकिन हमें अपनी इंडस्ट्री और देश की महिला के बारे में इस तरह की ओछी बातें नहीं करनी चाहिए। गौरतलब है कि गोवा ट्रिप के बाद अमित साध खोपोली में एक गांव गए जहां उन्होंने दीपावली का त्योहार मनाया था। इसके बाद वह दुबई के लिए रवाना हो गए। वह फिलहाल दुबई में अपनी छुट्टियों का मजा लूट रहे हैं। बता दें कि क्रिकेटर युवराज सिंह की लंबे समय तक गर्लफ्रेंड रहीं किम शर्मा कुछ समय पहले तक एक्टर हर्षवर्धन राणे को डेट कर रही थीं। बाद में किम और हर्षवर्धन का ब्रेकअप हो गया और दोनों अलग हो गए।

मिशन मंगल के डायरेक्टर के साथ फिर जुड़ेंगे अक्षय कुमार

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इंडस्ट्री के बिजी स्टार्स में से एक हैं। हर साल उनकी कई फिल्में रिलीज होती हैं, लेकिन इस साल कोरोना महामारी के चलते सिर्फ एक ही फिल्म रिलीज हुई। हालांकि, अक्षय की कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं और कुछ फिल्मों की शूटिंग शुरू होना अभी बाकी है। इस बीच सुनने में आया है कि अक्षय कुमार ने एक और फिल्म साइन की है। खबरों की मानें तो अक्षय कुमार एक बार फिर 'मिशन मंगल' के डायरेक्टर जगन शक्ति के साथ काम करने वाले हैं। एक सूत्र ने बताया कि अक्षय कुमार के बैनर केप ऑफ गुड फिल्म्स ने एक फिल्म के लिए जगन शक्ति को साइन किया है। फिल्म अगले साल 2021 के अंत तक शुरू होगी और फिर 2022 में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। मेकर्स फिल्म को 38 दिन में पूरी करना चाहते हैं। गौरतलब है कि 'मिशन मंगल' को 28 दिनों में शूट किया गया था। अक्षय कुमार ने इस साल दिवाली पर अपनी अपकमिंग फिल्म 'राम सेतु' की घोषणा की थी। अभिषेक शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय एक आर्कियोलॉजिस्ट की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे।